VOL 2 ISSUE 1

THE SCERT BULLETIN

APRIL 2023

This issue:

निदेशक की कलम से

PAGE 01

बहुआयामी समग्र प्रगति पत्र की समीक्षात्मक कार्यशाला का आयोजन

PAGE 02

Declaration of NMMS Result, Launch of "Aao School Chalein- Enrolment Program of Haryana", Festival of Innovation and Entrepreneurship (FINE)

PAGE 03

Release of 5th and 6th Issue of 'Mathsticks' a Monthly e-Maths Newsletter, Promotion of Local Puzzle, Problems and Riddles, Science Lab Inspection under Science Promotion

PAGE 04

Research Studies during April, Research Papers, Orientations & Meetings

PAGE 05

Orientations & Meetings Contd.,

PAGE 06-08

SCERT in News

PAGE 08-10

निदेशक की कलम से

स्वतंत्रता, स्वावलंबन और शिष्टाचार,
शिक्षा के हैं मूलाधार।

गुणवत्तापूर्ण जीवन जीने के लिए एवं अच्छा नागरिक बनने के लिए बालकों का चहुँमुखी विकास जरूरी है। इस चहुँमुखी विकास का मूल शिक्षा है। शिक्षा के माध्यम से एक मजबूत नींव का निर्माण कर इस लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। बालक के व्यक्तित्त्व के विकास, मानसिक कुशलता और शारीरिक शक्ति के विकास के लिए स्कूली शिक्षा का बहुत अधिक महत्त्व है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 का उद्देश्य भी भारत को वैश्विक स्तर पर शैक्षिक रूप से महाशक्ति बनाना तथा भारत में शिक्षा का सार्वभौमिकरण कर शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाना है। नीति का दृष्टिकोण यह है कि छात्र–छात्राओं में नवाचार के प्रति जिज्ञासा होने के साथ–साथ भारतीय होने का गर्व न केवल विचार में हो, बल्कि व्यवहार, बुद्धि एवं कार्यों में भी हो। विद्यालय का परिवेश तथा शिक्षकों का सदाचार स्वतः बालकों को सकारात्मकता व शिष्टता की ओर ले जाता हो। कक्षाओं में केवल कुछ विषयों का पठन–पाठन ही न हो बल्कि विषयों के साथ–साथ जीवन–कौशलों व जीवन–मूल्यों पर भी जिज्ञासा से परिपूर्ण चर्चा–परिचर्चा हो।

इस विराट लक्ष्य पूर्ति हेतु बच्चों को स्वतंत्रता और स्वावलंबन का परिवेश प्रदान करना परम आवश्यक है। हमारे विद्यालयों में एक ऐसा माहौल तैयार किया जाए जहाँ बच्चों को अपने मन की बात करने और अपनी रुचि से सीखने के अवसर उपलब्ध हों। एक ऐसा भावनात्मक और भयरहित परिवेश तैयार करना जहाँ सीखने के अधिकाधिक अवसर हों और गलती होने का भय तनिक भी न हो। जहाँ अध्यापक एक सुसाधक हो और बालक को स्वयं अपने ज्ञान का निर्माण करने के अनेकानेक अवसर उपलब्ध हों। प्राणवान और निष्ठावान शिक्षक अपने प्रभाव और दृढ़–संकल्प से बालकों के चारों ओर एक ऐसे लोक को स्थापित करने की क्षमता व शक्ति रखता है जिसमें सर्वत्र प्रकाश ही प्रकाश हो। पिग्मेलियन प्रभाव भी यही कहता है कि अध्यापक बच्चों से जैसी अपेक्षा करता है, बच्चों का प्रदर्शन भी वैसा ही होता है। शिक्षण–अधिगम की प्रक्रिया में अध्यापकों की उच्च आशाओं का प्रभाव बहुत गहरा होता है। अतः कला और संस्कृति की विविध गतिविधियों के माध्यम से विद्यालय के माहौल को सीखने के लिए जीवंत और आनंदपूर्ण स्थान में बदलना नितांत आवश्यक है। विद्यालय समुदाय के प्रत्येक सदस्य को अपनी कलात्मक प्रतिभा और रचनात्मकता को आधार बनाकर बच्चों के लिए शिक्षण–अधिगम हेतु एक स्वस्थ, सुंदर एवं सुखद वातावरण तैयार करना होगा।

महाबीर प्रसाद (एच्.सी.एस.)

बहुआयामी समग्र प्रगति पत्र की समीक्षात्मक कार्यशाला का आयोजन

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् हरियाणा, गुरूग्राम के समीक्षा हाल में परीक्षण एवं मूल्यांकन विभाग द्वारा दिनांक 20.04.2023 को उपनिदेशिका श्रीमती रितु चौधरी की अध्यक्षता में बहुआयामी समग्र प्रगति–पत्र पर एक दिवसीय

कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के समग्र प्रगति–पत्र की रूपरेखा के विभिन्न पहलुओं पर अध्यापकों की राय एवं उनके सुझाव प्राप्त करना था। कार्यशाला का शुभारम्भ करते हुए उपनिदेशिका महोदया ने गुरूग्राम के चारो खंडों से आए 24 अध्यापकों को कार्यशाला में सम्मिलित होने पर स्वागत और बधाई देते हुए कहा कि–हर बच्चा अनोखा होता है। उनके पास अद्वितीय व्यक्तित्व, लक्षण, रूचियां, प्राथमिकताएं, मूल्य, दृष्टिकोण एवं शक्तियाँ होती हैं। शैक्षिक पाठ्यक्रम को प्रत्येक बच्चे को उसकी योग्यता के अनुसार दुनिया में अपने अलग–अलग वर्गो में मदद करने में सक्षम होना चाहिए। इसके लिए बच्चे की बहुआयामी प्रगति का पता होना अति आवश्यक है। इसके उपरांत विभाग प्रभारी डा0 मनोज कौशिक द्वारा कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि–समग्र प्रगति–पत्र को नई शिक्षा नीति 2020 के तहत तैयार किया गया है तथा इसमें विद्यार्थी के 360° आयामों अर्थात संज्ञानात्मक, भावात्मक, साइकोमीटर डोमेन में विकास की बारीकी से किए गए विश्लेषण का विस्तृत विवरण, विधार्थी की विशिष्टताओं समेत डाईट विशेषज्ञों तथा विभिन्न जिलों के विद्यालय मुखिया, परिषद् विशेषज्ञों की राय को भी सम्मिलित किया गया है। विभाग विषय विशेषज्ञ श्री संजीव अग्रवाल ने समग्र प्रगति–पत्र पर विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए बताया कि आज कार्यशाला में कक्षा 4 के प्रगति–पत्र के ड्राफ्ट पर चिंतन–मनन किया जाएगा, साथ ही उन्होनें समग्र प्रगति–पत्र में सम्मिलित प्रत्येक विषय पर सूक्ष्मतापूर्वक सबका ध्यान दिलवाया। यह भी बताया कि प्रगति–पत्र की सहायता से बच्चे के सम्पूर्ण विकास को माता–पिता सरलतापूर्वक समझ सकेगें।रिसोर्स पर्सन के रूप में विभाग की विषय विशेषज्ञा श्रीमती वंदना, डॉ0 रमा खन्ना एवं डॉ0 शीतल ने कार्यशाला में उपस्थित प्रत्येक अध्यापक को हर बिन्दु किस प्रकार भरा जाए यह भी बताया एवं इस प्रगति–पत्र विधार्थियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए गणित, हिन्दी, अंग्रेजी, सामाजिक अध्ययन के लिए निर्धारित दक्षता–आधारित जानकारी का भी उल्लेख किया। प्रतिभागियों के ग्रुप बनाकर गतिविधि करवाई गई। जल–पान के उपरांत गतिविधियों के आधार पर ग्रुप मुखिया द्वारा उनकी प्रतिक्रिया, प्रगति कार्ड का प्रस्तुतिकरण किया गया तथा आने वाली चुनौतियों एवं सुझावों को टीम ने विशेष रूप से लिखा एवं विश्वास दिलाया कि उनके सुझावो एवं प्रतिक्रिया पर विचार–मंथन किया जाएगा। विभाग लिपिक श्रीमती दीपक ने भी सम्पूर्ण कार्यशाला में अपना सहयोग दिया। कार्यक्रम का समापन डॉ0 मनोज कौशिक द्वारा कार्यशाला में आए अध्यापकों द्वारा बहुमूल्य जानकारी प्रदान करने एवं निस्वार्थ सहयोग के लिए धन्यवाद देकर किया गया।

Declaration of NMMS Result

National Means-cum-Merit Scholarship Scheme is a centrally sponsored scheme intended to award scholarships to meritorious students of economically weaker sections to cease their dropout at grade VIII and encourage them to continue their study at the secondary level. Under this scheme, an annual amount of Rs. 12,000/- is paid to them for the next four years. For the selection of eligible students, each state conducts examination as per the schedule provided by the Department of School Education & Literacy, Ministry of Education, GOI, New Delhi. In Haryana state, the responsibility of conducting this exam is assigned to SCERT. For the session 2022-23, this exam was conducted on 20th November 2022 and the final merit list was published on 10th April 2023. A total of 29563 students appeared for the exam. Out of which 2337 were selected for the final merit list. In order to avail the scholarship, these qualified students will have to apply on NSP Portal which will be open for registrations tentatively in July 2023.

Launch of "Aao School Chalein- Enrolment Program of Haryana"

"**Aao School Chalen**" has been launched in Haryana Govt schools to increase the enrolment of students. It is a part of Vidya Amrit Mahotsav series, an Innovative Pedagogy Festival. This is a two months long enrollment program initiated by the Education Technology wing SCERT Haryana, Gurugram. The program focuses on a micro-improvement approach to increase enrolment rates in government schools of Haryana.

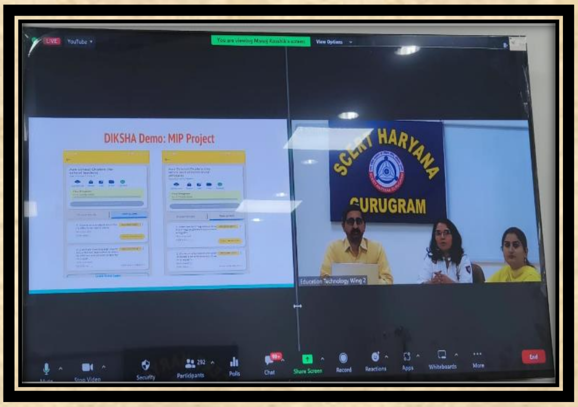

Objective: - The primary objective of "Aao School Chalen" micro improvement program is to increase the enrolment in govt schools.

Coverage: - All schools of Haryana are covered under this project. For the purpose of minute monitoring,10 low enrolment schools from each of 119 blocks have been identified through DIETs and data from these will also be collected for analysis.

Strategies/ Activities: -

Following strategies will be adopted to increase the student's enrolment in school:

1. Engaging community,
2. Home visits,
3. Interaction/activities at Chaupaal,
4. Aganwadi visit
5. In-school activities: Enrolment Notice board, PTM, competitions for children, school walkthrough
6. Whatsapp and social media platforms
7. Working committee for enrolment program

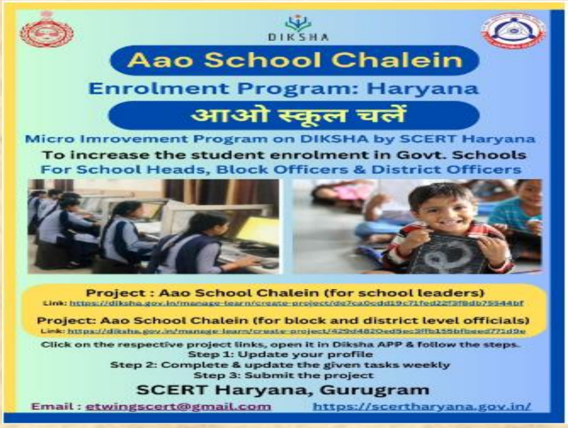

Festival of Innovation and Entrepreneurship (FINE)

Science wing, SCERT was invited to visit the Fstival of Innovation and Entrepreneurship (FINE). FINE is a unique initiative by the office of President of India and National Innovational Foundation (NIF) to recognize and reward grassroots innovations in Science, Agriculture etc. The festival was organized from April 10 2023- April 13 2023 at Rashtrapati Bhawan, New Delhi. Members of Science wing visited the festival on 13th April, 2023.

Release of 5th and 6th Issue of 'Mathsticks' a Monthly e- Maths Newsletter

The Fifth and Sixth issue of 'Mathsticks' the Monthly e-Newsletter prepared by Mathematics Education department was released and disseminated to DIETs and Schools. The Newsletter is now available in two languages Hindi as well as English on the official website of SCERT. In the issues, Feedback messages for encouraging growth mindset, Challenging task and Harbans puzzles for all the levels, research-based inputs to deal with multiplication facts and classroom experience on Maths Talk have been shared.

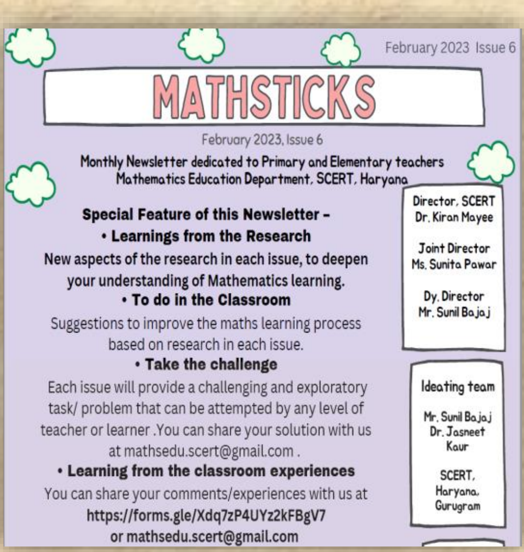

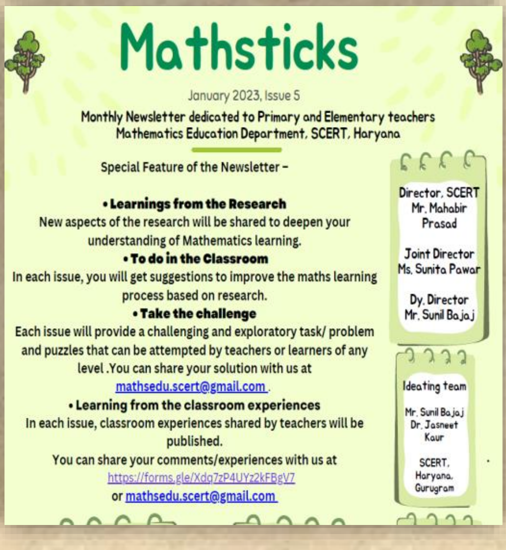

Promotion of Local Puzzle, Problems and Riddles

Incorporating puzzles, problems, and riddles in the school environment can have numerous benefits. Research has shown that engaging in such activities can develop better thinking strategies, as highlighted in the biographies of many renowned scientists and mathematicians. Furthermore, the recently implemented National Education Policy (NEP) 2020 also emphasizes the promotion of local culture and Indian roots, and incorporating local puzzles can align with this objective. In this regard, all schools have been instructed to develop a puzzle corner and display at least one puzzle or challenge on the notice board or in the puzzle corner on a weekly basis.

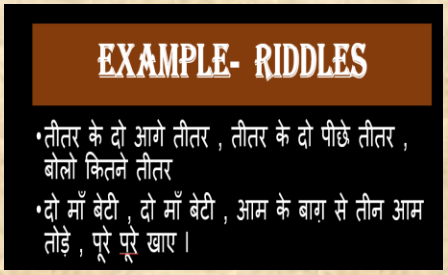

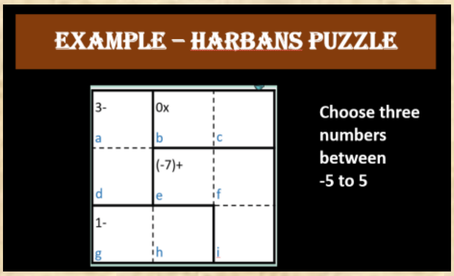

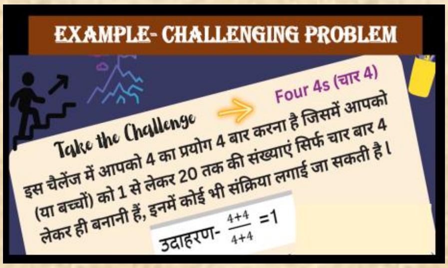

Science Lab Inspection Under Science Promotion

The status and working of science lab in GSSS Patli Hazipur, GHS Lagarpur & GSSS Dadanpur from Gurugram and Jhajjar district were inspected by Members of Science wing in the month of April. Onsite support for use of apparatus was provided to the teachers. The findings were discussed with the principals of the concerned schools. Scientific interventions were also briefed to respective teachers for improvement in the functionality of laboratories.

Research Studies during April

1. “A Study on the Effect of STEM for Girls Progamme on Learning Outcomes in Government Schools of Haryana” :-Report writing is complete and has been submitted to the Directorate of School Education .

2. “Assessment of KGBV Students of Class 6 for all Subjects”: - Research Study Proposal writing is complete and submitted to Consultant Pedagogy HSSPP.

3. “Status of Textbook Exchange for Classes 1st -8th in Government Schools of Haryana in the session 2022-23”:-Coordination with DIETs for district-wise data on the exchange of textbooks.

Research Papers

REAP Cell at SCERT Haryana, Gurugram gathered 3 research papers from all over the state and sent these for a journal to be published by SCERT Assam. Details of these research papers are as following:

1. *“Exploring Reflective Practices for teaching and learning: A study of B.El.Ed. Pre-Service Teachers”*
   By Ashu Threja Malhotra, Miranda house, University of Delhi and Dr. Jasneet Kaur
   Subject Specialist SCERT Haryana, Gurugram.

2. *A Study of Procrastination among the Secondary School Students in relation to Academic Achievement*
   By Dr. Manjeet Kumar, Assistant professor, D.I.E.T. Madina, Rohtak

3. *"A Psychological study of the Impact in the Behaviour of learners of the use of electronic gadgets and internet in the process of teaching-learning.”*
   By Suryakant Yadav, Lecturer in Psychology, D.I.E.T. Mahendergarh

Orientations & Meetings

➢ DIET ET Wing Monthly Meeting

An online monthly meeting with ET Wings of all DIET was organized on **13th April 2023**.
Following points were discussed:

- Discussion on DIET ET Wing Monthly reports
- Follow Up on Cyber Safety Program
- Follow Up on eContent Development Program
- Followup on MIP - ‘Aao School Chalein’
- DIKSHA - Process of Worksheet Creation
- Elementary Mentoring scorecard March 23
- Mentoring Target April 23

➢ Orientation for ‘MOOC: ICT Tools for Teachers

An online orientation was organized on **27th April 2023** with the MOOC development team of Haryana for discussion on ‘MOOCs - ICT Tools for Teachers’. In this orientation program, the teams were created for module work distribution and finalization of MOOC Modules. The finalized MOOC modules are scheduled to be implemented in April-May 2023.

➢ Orientation for Digital Teacher Program 2023-24

The Digital Teacher Program is a comprehensive initiative aimed at revolutionizing the education sector by leveraging technology to enhance the quality of teaching and learning. The program is designed to equip teachers with digital tools and resources that will enable them to create a more engaging and interactive learning environment.

For the Capacity Building of teachers on various areas of Classroom-Technology Integration, Digital Teacher Program 2023-24 was initiated by the Education Technology wing and an orientation on **18th April 2023** was organized.

Following point were discussed:

- Summary of the Work 2022-23
- Role of Teachers and Head
- Process of VidhyaDaan Prashnavali
- eContent review guideline
- Worksheet creation and review
- Textbook Creation and Textbook cleaning
- eContent review
- eContent Creation
- OCBP DIKSHA

➢ Orientation of New Reviewers under Digital Teacher Program

An online meeting was conducted on 25th April 2023 with the new reviewers for Practice Worksheet Creation on DIKSHA-Prashnavali under Digital Teacher Program. The topics of discussion In this meeting were:

- Worksheet blueprint
- What is a Good worksheet?
- What are the pedagogical requirements for creating a good worksheet?
- Do’s and Don’ts while creating the worksheet
- Guideline on Prashnavali usage on DIKSHA

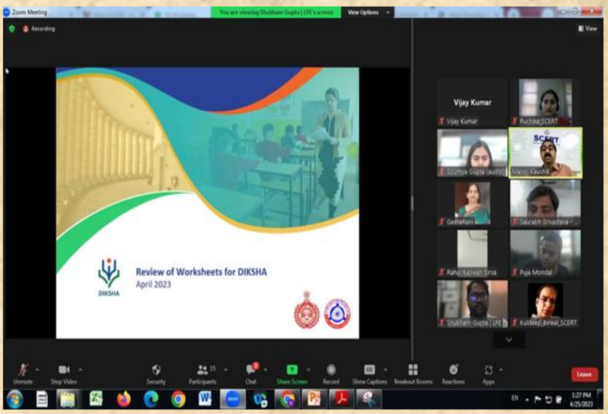

➢ Orientation of eContent Creator under Digital Teacher Program

An online orientation was conducted in collaboration with Avanati Fellows on 26th April, 2023 under Digital Teacher Program 2023-24. E-Content Creators of class 9th -12th for the subjects Science & Math were orientated. The main discussion points of this orientation were:

- How to curate existing content and make it attractive.
- How to organize doubt classes
- Demonstration of the tool ‘*Plio*’ tool for content creation.

➢ Orientation for 'MOOC: Physics - XI for Teachers'

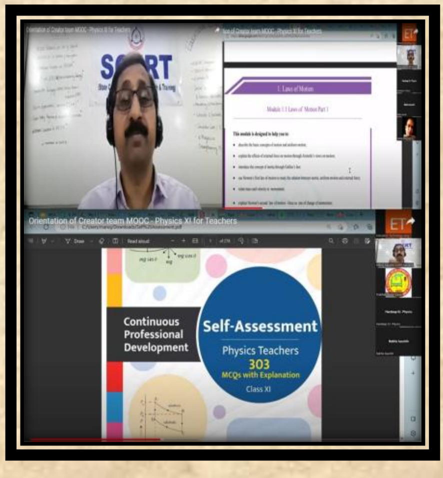

An online orientation was organized on 28th April 2023 with the MOOC development team of Haryana on 'Discussion on MOOC: Physics - XI for Teachers'. The following points were discussed:

- Concept of MOOC
- Discussion on Modules of MOOC
- Discussion on Teams creation
- Work distribution among teams

MOOC ICT Team will help this newly created physics team to develop infographics, videos, presentations, assessments etc. for the course.
The implementation of MOOC work will begin in April-May 2023.

➢ Online Meeting with SRG (Online Course Development)

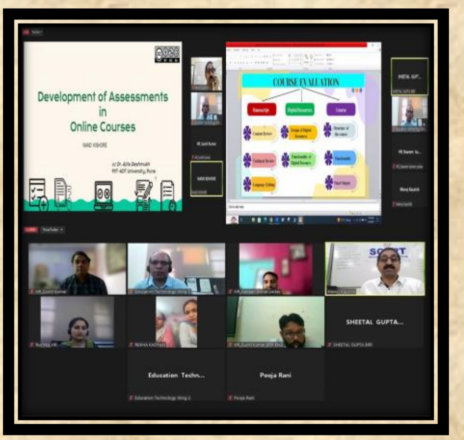

An online meeting was conducted with the State Resource Group (Online Course Development) on 05th April, 2023.

The members attended online training conducted by CIET-NCERT on how to create online courses. A topic was given to each SRG member to prepare a brief presentation based on any one topic/session of CIET orientation.

Based on these presentations, they will be included in State Resource Group for online course development (SRG-OCD)

➢ आओ स्कूल चलें: A follow up Meeting with DIETs & BRPs

A follow-up meeting was held with DIET faculty and BRPs/ABRCs on 21st April 2023 to find out the actual progress of the Aao School Chalein program.

The role of DIETs was discussed with DIET faculty, firstly as participant to submit the project on DIKSHA and secondly as District authority to access and download reports for both projects (Aao School Chalein for school leaders and Aao school chalein for block and district authorities). Step by step process of downloading the data reports from program manager ids on DIKSHA was shared with the DIET faculty.

➢ DIKSHA Monthly Coordination meeting by NCERT

The 31st Diksha Coordinators meeting of all States/UTs and autonomous bodies under the Ministry of Education was held by CIET NCERT on **27th April 2023**.

The agenda of this online meeting was:-

1. Progress Updates on DIKSHA: Presentation by NCERT
(by Prof. Indu Kumar,CIET NCERT)

2. आओ स्कूल चलें: Govt School Enrollment Program in Haryana: Presentation by the State of Haryana
(by Manoj Kaushik,E.T wing SCERT Haryana)

3. Progress on District Empowerment Program: Presentation by the State of Bihar

(by Dr.Vibha Kumari,SCERT Bihar)

4. Way forward and other miscellaneous issues

(by Prof. Amarender Behera,CIET NCERT)

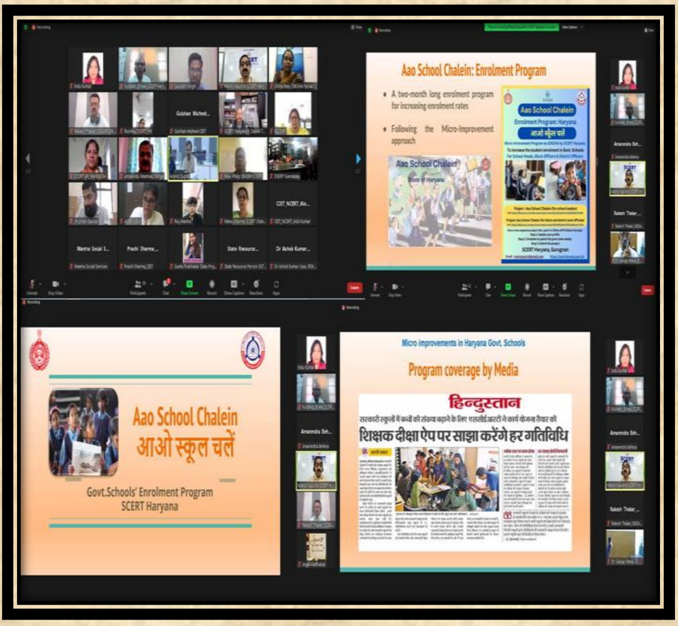

SCERT in NEWS

स्कूलों में छात्रों का 'बूझो पहेली' से होगा बौद्धिक विकास

आजादी अमृत महोत्सव के तहत एससीईआरटी की पहल पर हर घर, हर गली, बूझो पहेली कार्यक्रम लांच

भास्कर न्यूज | झज्जर

आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला में छात्रों के बौद्धिक व व्यवहारिक ज्ञान को बढ़ाने के कार्यक्रम आज हर घर, हर गली, बूझो पहेली की किया। जिलाभर के सभी राजकीय व प्राइवेट स्कूलों के एक लाख से अधिक छात्र और अध्यापक वर्चुअल रूप से लांचिंग कार्यक्रम में भागीदार बनें। एससीईआरटी ने इस कार्यक्रम के लिए जिला झज्जर को बतौर पायलेट प्रोजेक्ट के तौर पर चयनित किया है। डीसी कैप्टन शक्ति ने इस अवसर पर जिले के सभी छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह कार्यक्रम स्कूली छात्रों का शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक और बौद्धिक ज्ञान बढ़ाएगा। उन्होंने स्कूल मुखियाओं से कहा कि प्रत्येक स्कूल में नोटिस बोर्ड पर प्रतिदिन एक पहेली लिखें। इस कार्य में अभिभावकों की रुचि भी पैदा करें। बच्चों में बौद्धिक विकास ये पारंपरिक तरीके हैं। घर, मोहल्ले और स्कूल में पहले भी ऐसी पहेली बूझी जाती थी। इससे बच्चों की दिमाग कसरत होगी। एससीईआरटी के उपनिदेशक सुनील बजाज, विषय विशेषज्ञ जसनीत कौर, डाइट प्रिंसिपल बीपी राणा ने भी छात्रों को प्रेरित किया।

लांच किए गए कार्यक्रम के दौरान मौजूद छात्र।

SCERT launches spl drive to ramp up enrolment of students in govt schools

Gurgaon: With an objective to increase enrolment of students in government schools, the state council of educational research and training (SCERT) and the directorate of school education have rolled out a dedicated, two-month-long campaign.
The SCERT's special drive will not only increase the overall enrolment count but also will identify school dropouts and bring back them into formal education. Called Aao School Chalein (come let's go to school), the programme aims at implementing the state government's 'zero dropout policy' to ensure that no child in the state remains out of school by next year. Schools have been directed to chalk out comprehensive micro-improvement strategies to convince the parents in their respective areas to enrol their children with the government schools. The SCERT will also be monitoring the campaign and reports will be compiled on a daily basis. TNN

235 सरकारी स्कूलों में बाल वाटिका शुरू, साढ़े चार घंटे तक लगेगी कक्षा

जागरण संवाददाता, फतेहाबाद : सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की दाखिले को लेकर नया नियम बना दिया है। अगर आपका बच्चा पांच साल से कम है तो उसे पहली कक्षा मे नहीं बल्कि बाल वाटिका में दाखिला दिया जाएगा। जिले के 235 प्राथमिक स्कूलों में बाल वाटिका बनाई गई है। अब सरकारी स्कूलों में दाखिले भी शुरू हो गए है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों की माने तो प्रथम कक्षा में जो दाखिले होते है उनमें से 50 प्रतिशत बच्चे ऐसे होते है जिनकी आयु 5 वर्ष से कम है।

सरकारी स्कूलों में दाखिला तो शुरू हो गया है, लेकिन आनलाइन डाटा नहीं हो पा रहा है। ऐसे में शिक्षा विभाग भी नहीं समझ पा रहा है कि कितने विद्यार्थियों के दाखिले हुए है। ऐसे में अब स्कूल इंचार्ज को शिक्षा विभाग को मेल के माध्यम से जानकारी देनी होगी ताकि समय रहते सरकारी स्कूलों में अभियान चलाकर बच्चों की संख्या बढ़ाई जा सके।

फतेहाबाद: शहर मे बना राजकीय प्राथमिक पाठशाला।

जिले में 385 प्राइमरी स्कूलों में से 70 में प्ले स्कूल पहले से शुरू कर दिए गए थे

जिले मे 385 प्राइमरी स्कूल है इसमें 70 मे प्ले स्कूल पहले से शुरू कर दिए गए थे। स्कूलो और जहा पर विद्यार्थियो की संख्या कम है उन्हे छोड़कर 235 स्कूलो मे बाल वाटिका शुरू कर दी है। बाल वाटिका को लेकर शिक्षा विभाग ने अलग से बजट जारी नहीं किया है। इन स्कूलो मे 5 साल से कम आयु के विद्यार्थियो का दाखिला लिया जाएगा। दाखिला लेने वाले विद्यार्थियो को पहली कक्षा का शिक्षक पढ़ाएगा। विद्यार्थी 25 से ज्यादा है तो ही दूसरा शिक्षक नियुक्त होगा। इन कक्षाओं को पढ़ाने वाले शिक्षको को विभाग प्रशिक्षण भी देगा। बाल वाटिका मे दाखिला लेने वाले विद्यार्थियो को मिड डे मील भी मिलेगा। इसके अलावा विद्यार्थियो को स्कूल बैग और स्टेशनरी भी विभाग उपलब्ध करवाएगा।

05 साल से कम आयु के बच्चों का मिलेगा दाखिला

- निजी स्कूलों की तर्ज पर नर्सरी कक्षा से कक्षा शुरू होगी
- बच्चों का सरकारी स्कूलों में पहली कक्षा में हो जाता था दाखिल
- बच्चों की देखभाल भी कम होती थी ऐसे में अभिभावकों की रूचि प्राइवेट स्कूलों की तरफ होती थी
- अब जिस स्कूल में बच्चों की उम्र कम होगी उसका दाखिला भी बाल वाटिका में किया जाएगा

स्कूल बैग और स्टेशनरी भी उपलब्ध करवाएगा विभाग

प्राइवेट स्कूलो की तरह सरकारी स्कूलो मे भी बाल वाटिका बनाई गई है। हालांकि सरकारी स्कूल मे ही व्यवस्था होगी। सरकारी स्कूलो मे विद्यार्थियो की संख्या कम ही रहने वाली है। क्योंकि अभिभावको को खुद ही बच्चो को छोड़कर आना होगा वहीं इन बच्चो की देखभाल का भी एक बड़ा सवाल है। शिक्षा विभाग के अधिकारी दावा कर रहे है कि पांच साल से अधिक उम्र होते ही उसका पहली कक्षा मे दाखिला कर दिया जाएगा। बाल वाटिका का समय स्कूल शुरू होने के साथ रहेगा ताकि वह अपने भाई व बहनो के साथ ही स्कूल आ सकें। इन विद्यार्थियो का पठन-पाठन समय, खेल-कूद गतिविधि और मिड डे मील मिलाकर साढे चार घंटे का समय रहेगा।

इन आंकड़ों पर नजर

जिले मे प्राइमरी स्कूल	385
प्ले स्कूल चल रहे	70
बाल वाटिका स्कूल बनाए	235

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लेकर पूर्व प्राथमिक शिक्षा को अनिवार्य शिक्षण का भाग बनाया गया है। जिले में राजकीय प्राथमिक पाठशालाओं को ही बाल वाटिका बनाया गया है। पांच साल से बच्चो का इसमे दाखिला किया जाएगा। देखरेख भी शिक्षक करेंगे। बच्चे की उम्र पांच साल से अधिक होने पर पहली कक्षा मे दाखिला दे दिया जाएगा।

दयानंद सिहाग, जिला शिक्षा अधिकारी।

****

शिक्षा अधिकारियों की बैठक

गुरुग्राम। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) में शुक्रवार को ई-अधिगम की कार्य योजना के लिए कार्यशाला आयोजित की गई। डीएससी पंचकूला के निर्देशानुसार आयोजित जोनल स्तरीय कार्यशाला में गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल, नूंह, रेवाड़ी व महेंद्रगढ़ के जिला शिक्षा विभाग के अधिकारी शामिल हुए।

ई-अधिगम कार्यशाला में जानकारी दी गई कि सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों व शिक्षकों को किस तरह से टैबलेट का प्रयोग करना है। कार्यशाला में एससीईआरटी से संयुक्त निदेशक अनिल शर्मा, संयुक्त निदेशक सुनीता पवार, उप निदेशक सुनील बजाज, राज्य समन्वयक तनु भारद्वाज, आरके पूनिया उपस्थित रहे।

कार्यशाला में डीईओ, बीईओ, स्कूल प्रधानाचार्यों को टैबलेट संबंधित निरीक्षण करने संबंधित जानकारी दी गई। कार्यशाला में गुरुग्राम जोन के छह जिलों से जिला शिक्षा अधिकारी, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, जिला विज्ञान विशेषज्ञ और जिला गणित विशेषज्ञ शामिल हुए। संवाद

पहलवानों के गढ़ में बच्चे करेंगे दिमागी कसरत

हर घर, हर गली, बूझो पहेली कार्यक्रम की हुई लांचिंग हर शनिवार को स्कूल में कार्यक्रम करने के निर्देश

जागरण संवाददाता, झज्जर : पहलवानों के गढ़ के रुप में पहचान रखने वाले जिला झज्जर के लाखों विद्यार्थियों के लिए अब विशेष रुप से दिमागी कसरत करने का विशेष दिन, शनिवार तय हो गया है। हालांकि, प्रक्रिया के तहत स्कूलों में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सतत प्रयास हो रहा है। लेकिन, इसी क्रम में एक कदम आगे बढ़ते हुए शुक्रवार को पायलेट प्रोजेक्ट से जुड़कर हर घर, हर गली, बूझो पहेली कार्यक्रम को उपायुक्त कैप्टन शक्ति सिंह ने लांच किया है। जिसमें छात्रों के बौद्धिक व व्यवहारिक ज्ञान को बढ़ाने का अनूठे कार्यक्रम से प्रयास रहेगा। तय कार्यक्रम के हिसाब से शुक्रवार को जिला के सभी राजकीय व प्राइवेट स्कूलों के एक लाख से अधिक छात्र और अध्यापक वर्चुअल रूप से लांचिंग कार्यक्रम में भागीदार बनें। डीसी ने बताया कि एससीईआरटी ने इस कार्यक्रम के लिए जिला झज्जर को बतौर पायलेट प्रोजेक्ट के तौर पर चयनित किया है। दरअसल, हुए प्रयास में जिला के काफी स्कूलों में तकनीकी कारणों से सभी विद्यार्थी वर्चुअल माध्यम से नहीं जुड़ पाए।

वर्चुअल रूप से जुडकर डीसी शक्ति सिंह अपनी बात रखते हुए। • डीपीआरओ

शेड्यूल के हिसाब से तय कार्यक्रम में वर्चुअल रुप से जुड़ते हुए विद्यार्थी। • डीपीआर

स्कूल में नोटिस बोर्ड पर प्रतिदिन लिखें एक पहेली

डीसी कैप्टन शक्ति सिंह ने सभी छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कार्यक्रम स्कूली छात्रों का शैक्षणिक ज्ञान के साथ -साथ व्यवहारिक और बौद्धिक ज्ञान बढ़ाएगा। उन्होंने स्कूल मुखियाओं से कहा कि प्रत्येक स्कूल में नोटिस बोर्ड पर प्रतिदिन एक पहेली लिखें। इस कार्य में अभिभावकों की रुचि भी पैदा करें। बच्चों में बौद्धिक विकास का ये पारंपरिक तरीका हैं ।घर, मोहल्ले और स्कूल में पहले भी ऐसी पहेली बूझो जाती थी। इससे बच्चों की दिमागी कसरत होती है। डीसी ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से कहा कि स्कूल, खंड और जिला स्तर पर क्विज बैंक की तर्ज पर पहेली बैंक भी तैयार करें ताकि यह कार्यक्रम गुणवत्ता के साथ आगे बढ़ता रहे और छात्रों में रूचि पैदा हो।

शनिवार बनेगा विद्यार्थियों के लिए खास

एससीईआरटी के उपनिदेशक सुनील बजाज, विषय विशेषज्ञ जसनीत कौर, डाइट प्रिंसिपल बीपी राणा ने भी छात्रों को अपने संबोधन से कार्यक्रम के प्रति प्रेरित किया। जिला शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि शनिवार राजकीय स्कूलों में ज्वायफुल सैटरडे मनाया जाता है। यानि बैग फ्री डे भी कहते हैं। इस दिन बूझो पहेली कार्यक्रम पर विशेष फोकस किया जाएगा। राजकीय स्कूलों के साथ-साथ प्राइवेट स्कूलों को भी इस कार्यक्रम से जोड़ा गया है। सरकार का प्रयास है सभी बच्चे पारंपरिक तरीके से भी ज्ञान अर्जित करें। सक्षम नोडल अधिकारी डा.सुदर्शन पूनिया ने पूरे लांचिंग कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर डीईईओ, बीईओ, कलस्टर हैड,बीआरपीएस, एबीआरसीएस, स्कूल मुखिया, बच्चों और उनके अभिभावकगण भी आनलाइन माध्यम से जुड़े।